Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to set up Fast Track Child Rescue Cells all over the country for tracking and rescue of missing children.

तीरथ सिंह रावत (गढ़वाल): महोदय, मैं बच्चों पर अपराध, केस पर लापरवाही और बाल सुरक्षा हेतु सारे भारत में एक अलग पुलिस सेल, फास्ट ट्रैक चाइल्ड रेस्क्यू सेल (FTCRC) की जरूरत पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। सम्पूर्ण भारतवर्ष के पुलिस विभाग में बच्चों की सुरक्षा हेतु फास्ट ट्रैक चाइल्ड रेस्क्यू सेल (FTCRC) का होना नितांत आवश्यक है। आज हमें भारत के 472 मिलियन बच्चों की सुरक्षा हेतु कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए। नाबालिगों के लिए पूरे भारत में अलग से पुलिस सेल (FTCRC) का प्रस्ताव अनिवार्य काम हो गया है।

महोदय, आज हरेक बच्चा बेशकीमती है, न सिर्फ अपने परिवार अपितु भारत के स्वर्णिम उज्जवल भविष्य निर्माण हेतु भी। दिन-प्रतिदिन बच्चों पर अपराध बढ़ते चले जा रहे हैं, जो कि एक विकट समस्या है और विडम्बना यह है कि उनकी सुरक्षा के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है। NCRB के अनुसार हर 8 मिनट में एक बच्चा पूरे भारत से गुम और हर दिन 109 बच्चों का यौन शोषण हो रहा है। आज बच्चों की सुरक्षा में अनदेखी के निम्न कारण हैं।

1. जीरो FIR, जानकारी की कमी के कारण FIR करने में देरी ।
2. पुलिस बल पर अत्यधिक कार्य भार, समय, नई तकनीकी व मैन पावर की कमी ।
3. CWC अनाथालय के बच्चों की जानकारी ऑनलाइन न होना ।
4. पुलिस को नाबालिगों की खोज या मिलने पर आधार कार्ड के इस्तेमाल की पूर्ण छूट न होना
5. नवजात शिशुओं की आधार कार्ड के अभाव में हॉस्पिटल से चोरी और ताउम्र घर वापसी न होना ।
6. 9 से 18 साल के घर से भागे बच्चों के मिलने पर नाबालिग व अभिभावको की काउंसलिंग न होना ।

महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि FTCRC से तुरंत FIR, और तुरंत कार्यवाही होगी तथा केन्द्रीकृत डेटा (Centralised data) होने पर बच्चे के गुम होते ही सारे देश व सभी राज्य की सीमाओं में बच्चे की जानकारी पहुंचेगी। बच्चों से जुड़े अपराधियों की जानकारी एक जगह एकत्रित होगी। बायोमीट्रिक्स प्रौद्योगिकी (Technology) सुविधाएं, तुरन्त FIR और तुरन्त कार्रवाई न करने पर दण्ड तथा हॉस्पिटल या घर में पैदा हुए बच्चों के आधार कार्ड अनिवार्य रूप से बनाए जायें।

महोदय, मेरा अनुरोध है कि कृपया देश में फास्ट ट्रैक चाइल्ड रेस्क्यू सेल गठन करने के लिए ठोस कदम उठाएं ताकि हम लाखों-करोड़ों बच्चों को बचा सकें।